वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 338 | शुक्रवार 7 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विद्यार्थियों ने निकाली स्वास्थ्य रैली, स्वच्छता का दिया संदेश

स्वास्थ्य ही जीवन है नुक्कड नाटक के जरिए स्टूडेंट्स ने स्वस्थ रहने के दिए टिप्स

जयपुर. कासं। भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम प्रताप नगर जयपुर की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में विद्यार्थियों व समाज को शारीरिक, मानसिक व आत्मिक रूपेण स्वस्थ रहने के लिए जागरूक करने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों के लिए विशिष्ट प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें व्याख्यान व गीत के माध्यम से स्वास्थ्य का महत्व व इसे बनाए रखने का सन्देश दिया गया। विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य रैली और ''स्वास्थ्य ही जीवन है'' नामक नुक्कड़ नाटक के माध्यम समाज में चेतनाजागृत करने का प्रयास किया गया। सभी विद्यार्थियों ने योग व ध्यान के माध्यम से शरीर व मन को एकाग्रचित्त किया और हिंदी व अंग्रेजी में स्लोगन लिखकर विद्यालय में लगाए। अच्छे स्वास्थ्य हेतु स्वच्छ पर्यावरण के महत्त्व को समझते हुए विद्यार्थियों ने सार्वजानिक पार्क की सफाई की और वृक्षारोपण का पुनीत कार्य किया। प्राचार्या अजयश्री शर्मा ने विद्यार्थियों को समुचित कसरत, पोष्टिक आहार, ध्यान, खेलकूद के लिए प्रेरित कर अच्छे स्वास्थ्य की कामना की ।

मोहन भागवत पहुंचे जयपुर

राष्ट्रीय सेवा संगम का करेंगे उद्घाटन, दत्तात्रेय होसबाले भी होंगे शामिल

जयपुर. कासं

राष्ट्रीय सेवा भारती की ओर से शुक्रवार से जयपुर के जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ में राष्ट्रीय सेवा संगम की शुरूआत होने जा रही है। 3 दिन तक चलने वाले इस सेवा संगम से पहले गुरुवार को सेवा संगम से जुड़े कामकाज की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस दौरान विश्व जागृति मिशन के संस्थापक आचार्य सुधांशु महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी महेशानंद और सांसद दिया कुमारी मौजूद रही। राष्ट्रीय सेवा संघ में शामिल होने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत गुरुवार रात को ट्रैन से जयपुर पहुंचे। इस दौरान भगवत को लेने के लिए RSS के पदाधिकारी रेलवे स्टेशन पहुंचे।

फिक्की फ्लो जयपुर की चेयरपर्सन नेहा ढड्डा ने संभाला चार्ज

वीमन एंटरप्रेन्योर्स को फाइनेंस, मार्केटिंग और लीडरशिप के गुर सीखाएंगे एक्सपर्ट

जयपुर. कासं

फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन, जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन नेहा ढड्डा ने अपने कार्यकाल की शुरूआत कर दी है। गुरुवार को उन्होंने मीडिया के सामने अपने सालभर के विजन को सामने रखा। हॉलीडे इन में आयोजित कार्यक्रम में फिक्की फ्लो जयपुर की एक दशक से भी ज्यादा समय रही सभी पूर्व चेयरपर्सन मौजूद रही। इनकी उपस्थित में नेहा ने फ्लो की कार्यप्रणाली और आगामी इवेंट्स की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फ्लो जयपुर सामाजिक कार्यों में भी आगे रहा है और

आगे भी तेजी से इस दिशा में कार्य करेगा। हम डिजिटल लिट्रेसी और सोशल लिट्रेसी पर गंभीरता से कार्य कर रहे है। हमने डिजिटल ट्रेनिंग के लिए मानसरोवर में सेंटर भी शुरू कर दिया है। इसके तहत गर्ल्स को नई टेक्नोलॉजी के साथ ट्रेंड किया जा रहा है, जिसके परिणाम कुछ महीनों में ही देखने को मिल जाएंगे। नेहा ने कहा कि पिछले कार्यकाल में मुद्रिका धोका के नेतृत्व में फिक्की फ्लो ने एक गांव को अडोप्ट किया था, अब इस गांव को बेहतर बनाने और सुविधाओं को बढाने के लिए कार्य करने वाले है। गांव में हर बच्चे और महिलाओं को साक्षर बनाने के साथ स्वरोजगार के लिए भी संसाधन जुटाए जाएंगे। कार्यक्रम में पदाधिकारियों की घोषणा चेयरपर्सन नेहा ढड्डा डिवाइन ऑर्नामेंट्स, एमविला कॉरपोरेशन की डायरेक्टर है। ढड्डा ने एफएलओ के नए पदाधिकारियों और कार्यकारी समिति के सदस्यों का परिचय कराया। नए कार्यकारी बोर्ड में मुद्रिका ढोका (तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष), रघुश्री पोद्दार (सीनियर वाइस चेयरपर्सन), नेहा अरोड़ा (उपाध्यक्ष), वृंदा कोठारी (कोषाध्यक्ष), डॉ. रिम्मी शेखावत (सचिव) और जीबी सदस्य अर्चना सुराणा और मीनल जैन के नाम शामिल हैं।

गुंजन जैन बने जिलाध्यक्ष

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

सवाईमाधोपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कानूनी मानवधिकार एवं आरटीआई विभाग सवाईमाधोपुर के जिलाध्यक्ष पद पर एडवोकेट गुंजन जैन को नियुक्त किया गया।

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर जयपुर का गठन

जिनेंद्र कुमार जैन अध्यक्ष, राजेश बड़जात्या सचिव बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स की शपथ विधि समारोह में आज जयपुर में नये चैप्टर की शुरूआत महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर जयपुर के नाम से की गई ।ग्रेटर जयपुर के सरंक्षक पद पर महेंद्र कुमार पाटनी, अध्यक्ष पद पर जिनेंद्र कुमार जैन , उपाध्यक्ष पद पर सुरेश जैन बांदीकुई , उपाध्यक्ष पर डॉ राजेन्द्र कुमार जैन, सचिव पद पर राजेश बड़जात्या, सह सचिव पद पर सुनील कुमार बज, कोषाध्यक्ष पद पर धनु कुमार जैन, संगठन मंत्री के रूप में डॉक्टर ज्ञानचंद सोगानी, निदेशक के रूप में निर्मल संघी, महेंद्र छाबड़ा, विपिन बज, महावीर सेठी तथा 28 सदस्यों को शपथ अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष CA अनिल जैन, दिल्ली ने दिलाई इस अवसर पर ग्रेटर जयपुर को चार्टर प्रदान किया गया।

प्लास्टिक वेस्ट रिसाइकलर्स के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जयपुर। निदेशालय, स्वच्छ भारत मिशन, (ग्रा.) के तत्वावधान में गुरुवार को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर प्लास्टिक वेस्ट रिसाइकलर्स के साथ स्वच्छ भारत मिशन, (ग्रा.) के संयुक्त निदेशक की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राजस्थान के विभिन्न जिलों (अजमेर, सीकर, अलवर, जयपुर) से आये प्लास्टिक वेस्ट रिसाइकलर्स ने शिरकत की। इस मौके पर श्री अमित कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन, (ग्रा.) ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन विषय की जागरुकता पर प्रकाश डाला। इस दौरान श्री बलवीर सिंह (एईएन) ने पीपीटी के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। श्री पवन, राज्य समन्यवक, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा.) ने प्लास्टिक के 4 R सिद्धांत के महत्व पर चर्चा की। इस कार्यशाला में श्रीमती प्रिया गोयल, टीम लीडर (पीएमयू) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा.) ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन से आय कैसे अर्जित की जा सकती हैं, विषय पर अपनी बात रखी। कार्यशाला में आगंतुक प्लास्टिक वेस्ट रिसाइकलर्स K.K Plastic & Polythene Ind. Sikar, BLS EcoTech Ltd. Kotputli, Jaipur, Neha Plastic Ind. Jaipur, Ecosheets India Pvt. Ltd. Jaipur, Multi Scrap Corporation, Beawer, Ajmer, Abhishek Industries, Maheshwar Polymers, Jaipur उपस्थित रहे। आगंतुक प्लास्टिक वेस्ट रिसाइकलर्स ने सुझाव दिए कि राज्य में फर्मों द्वारा संचालित प्लास्टिक कचरा प्रबन्धन प्लांट का निदेशालय स्तर के दल द्वारा अध्ययन भ्रमण कराया जाये तथा इस संबंध में राज्य स्तर के अधिकारियों व सलाहकारों को प्रशिक्षण दिया जाये व प्लास्टिक कचरा प्रबन्धन के संबंध में ग्रामीण जन को जागरुक करने हेतु आई.ई.सी. गतिविधियां की जावे तथा रिसाईकलर्स की उत्पन्न आय पर GST पर विचार किया जाये जिससे वह प्रोत्साहित हो।

आचार्य वसु नंदी जी महाराज ससंघ का श्री महावीर जी के लिए विहार

जयपुर ।वात्सल्य मूर्ति आचार्य वसु नंदी जी महामुनिराज ससंघ (14 पिच्छि) का गुरुवार शाम को राणा जी की नसियाँ से संघी जी की नसियाँ में दर्शन करते हुए अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के लिए मंगल पद विहार हुआ। संघ का दौसा होते हुए 14 अप्रैल को श्री महावीर जी में मंगल प्रवेश संभावित है। विहार व्यवस्था में धर्म जागृति संस्थान के कार्यकर्ता लगे हुए हैं ।संघ की शुक्रवार की आहार चर्या स्वस्तिक प्लाईवुड बस्सी में होगी।

नेत्र जांच शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

एस एस जैन सुबोध पी जी ऑटोनोमस महाविद्यालय जयपुर मे महाविद्यालय की ''राष्ट्रीय सेवा योजना'' इकाई की और से एक निःशुल्क नेत्रदान जाँच शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन ऑप्टिक गेलैक्सी के तत्वाधान मे किया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न स्वंय सेवक एंव स्वयं सेविकाओं ने अपने नेत्र की जाँच करायी। साथ ही साथ महाविद्यालय के अन्य अध्यापक गणों ने भी अपने नेत्रों की जाँच करायी इस जाँच शिविर मे लगभग 265 स्वयं सेवकों ने भाग लिया। निशुल्क नेत्रदान जाँच शिविर महाविद्यालय के प्राचार्य जी महोदय प्रो. के. बी. शर्मा जी ने स्वयं सेवकों को अपने विचारों से लाभांवित किया। और उन्होंनें बताया की डॉ. अंकिता यादव, नेत्र विशेषज्ञ ने नेत्र परीक्षण किया। शिविर के दौरान (राष्ट्रीय सेवा योजना) के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पवन शर्मा, डॉ विशाल गौतम, डॉ बाबूलाल शर्मा, डॉ. लोकेश जैन आदि उपस्थित थे। स्वयं सेवक के रूप मे अक्षय मौर्य, शुभम पारीक, रिया कुमारी, जय गौतम, शुभम गौतम, राशि चौधरी, नेहा गुप्ता, सचिन पारीक, शुभम कश्यप, रुद्राक्ष शर्मा, खुशी शर्मा, आकांक्षा शर्मा, आदि ने इस शिविर मे अपनी सेवाएं दी।

सैकड़ों कर्मचारियों ने किए रक्तदान के लिए संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन के तत्वावधान में 10 अप्रैल सोमवार को रेलवे चिकित्सालय गंगापुर सिटी में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यूनियन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने आज दिन भर रेलवे के सभी डिपार्टमेंट में जाकर कर्मचारियों से रक्तदान के लिए चर्चा की । इस अवसर पर सैकड़ों रेल कर्मचारियों ने रक्तदान शिविर में रक्तदान करने हेतु संकल्प पत्र पर अपनी सहमति प्रकट की एवं हस्ताक्षर किए। नरेंद्र जैन मंडल उपाध्यक्ष प्रकाश शर्मा सहायक मंडल मंत्री राजू लाल गुर्जर सहायक मंडल मंत्री रघुराज सिंह शरीफ मोहम्मद आरके मीना हरिप्रसाद मीणा हरिमोहन गुर्जर मोतीलाल मंगल बलराम गुर्जर देवी सिंह मीणा आदि पदाधिकारियों ने रेल कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहित किया। शिविर संयोजक मंडल के वरिष्ठ सदस्य रघुराज सिंह ने बताया कि रक्तदान शिविर में रक्तदान की प्रक्रिया 10 अप्रैल सोमवार को सुबह 8:00 बजे प्रारंभ हो जाएगी और शिविर में रक्त रिया ब्लड बैंक द्वारा संग्रहित किया जाएगा जो जरूरतमंद के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। शिविर में अधिक से अधिक रक्तदान के लिए आज शहर की विभिन्न संस्थाओं से भी संपर्क किया गया।

राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड और अमलगमेटेड फण्ड की बैठक आयोजित

शहीदों के माता-पिता को मिलेगा वीर माता-पिता का पहचान पत्र

शहीदों के परिजनों और पूर्व सैनिकों को समाज में समुचित सम्मान प्रदान करने के लिए सभी मिलकर करें कार्यः राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र की पहल पर सैनिक कल्याण विभाग द्वारा अब शहीद माता को वीर माताऔर शहीद पिता को वीर पितापहचान पत्र जारी किया जाएगा। इसी तरह शहीद सैनिकों और गैलेंट्री अवार्ड से अलंकृत सैनिकों के नाम से विद्यालयों या सार्वजनिक स्थलों के नामकरण की नीति में सरलीकरण किया जाएगा।

राज्यपाल श्री मिश्र ने इस संबंध में प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित कर कार्यवाही किए जाने के भी निर्देश दिए हैं।राज्यपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में राजभवन में गुरुवार को सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिए गए। बैठक में राज्यपाल मिश्र ने पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन किए जाने के भी निर्देश दिए।बैठक में सैनिक कल्याण मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ाराज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल ,उपाध्यक्ष राम सहाय बाजियामुख्य सचिव उषा शर्मा, सैनिक कल्याण बोर्ड सदस्य भंवर सिंह राठौड़ सहित विभिन्न विभागों एवं सेना के अधिकारी उपस्थित रहे।राज्यपाल मिश्र ने कहा कि शहीदों के परिजनों और पूर्व सैनिकों को समाज में समुचित सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहीदों के आश्रितों की सामाजिकपारिवारिक एवं आर्थिक समस्याओं का समाधान करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सैनिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और उन्हें प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए ताकि इनका अधिकाधिक लाभ पूर्व सैनिक और उनके परिजन ले सकें।सैनिक कल्याण विभाग मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व सैनिकों और शहीदों के आश्रितों के कल्याण के लिए महती कार्य किए हैं। उन्होंने शहीद आश्रितों को भूमि आवंटन के लम्बित प्रकरणों के निस्तारण के लिए विशेष प्रयास किए जाने पर जोर दिया। राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल ने कहा कि केन्द्रीय पुलिस बलों से सेवानिवृत्त कार्मिकों की समस्याओं के समाधान के लिए भी विशेष तौर से प्रयास किया जाना चाहिए।

गूंजे जयकारे, संकटमोचन हनुमानजी महाराज को लगाया ढाई हजार किलो काजूकतली का महाभोग

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया।

भीलवाड़ा । भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त श्री हनुमानजी महाराज का जन्मोत्सव गुरूवार को शहर के मुख्य डाकघर के समीप स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में उत्साह एवं भक्ति भावना के साथ मनाया गया।

हनुमान जन्मोत्सव के दो दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन गुरूवार दोपहर 12.15 बजे हनुमानजी की महाआरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालु उमड़े पड़े। महाआरती मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज ने की। महाआरती के बाद हनुमानजी महाराज को 2500 किलो काजूकतली का महाभोग लगाया गया। भक्तिपूर्ण माहौल में 11 किलो का केक भी काट हनुमान जन्मोत्सव की खुशियां मनाई गई। महाभोग एवं केक काटने के दौरान हनुमानजी महाराज के जयकारे गूंजायमान होते रहे। महाआरती शुरू होने से पहले ही मंदिर में हनुमानजी महाराज के दर्शनों के लिए भक्ति एवं आस्था से ओतप्रोत श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। महाआरती एवं महाभोग के बाद काजूकतली का प्रसाद भक्तों में वितरित करना शुरू हुआ तो प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारे लग गई।

हनुमान जयंती शोभायात्रा का जयपुर व्यापार महासंघ एवं हल्दीयो का रास्ता व्यापार मंडल द्वारा भव्य स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री हनुमान जयंती शोभायात्रा का जौहरी बाजार में हल्दियों के रास्ते के सामने जयपुर व्यापार महासंघ एवं हल्दीयो का रास्ता व्यापार मंडल द्वारा भव्य स्वागत व पुष्प वर्षा की गई। जयपुर व्यापार महासंघ के महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि जुलूस की मुख्य झाँकी भगवान हनुमान जी की आरती के समय भगवान को भोग लगाकर प्रसाद वितरण कीया गया। जयपुर व्यापार महासंघ के महामंत्री व हल्दीयो का रास्ता व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सुरेन्द्र बज ने अध्यक्ष सुभाष गोयल कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया उपाध्यक्ष कैलाश मित्तल प्रकाश सिंह निरज लुहाडिया जौहरी बाजार व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अजय अग्रवाल घोड़ा निकास व्यापार मण्डल के अध्यक्ष गुलाब चन्द, हनुमान जयंती शोभायात्रा के शंकर जी अग्रवाल, सोहन लाल तांबी, मंजु जी शर्मा, राजेन्द्र आचार्य, समाज सेवी डा.ज्ञानेश जी हल्दिया, रीचा शर्मा,महेश बेराठी ,जीया बैण्ड के किशन लाल जीया का केसरिया दुपट्टा पहना कर मंच पर स्वागत किया ।

वेद ज्ञान

मनुष्य बुरा या भला नहीं होता

गुणों और कर्मों में गहरा संबंध है। गुणों के अनुरूप कर्म सुखदायी होते हैं। अवगुण निरंतर पापों की ओर आकर्षित करते हैं। सद्गुणों से परोपकार और परहित की प्रेरणा मिलती रहती है। ऐसा देखा गया है कि कोई मनुष्य सदैव बुरा या भला नहीं होता। अवगुणी भी किसी पल परहित की सोचता है और कभी सद्गुणों से संपन्न व्यक्ति भी कुकर्मों से बच नहीं पाता। परमात्मा ने माया का ऐसा मोहिनी रूप रच दिया है कि कोई भी कभी भी इसका शिकार हो जाता है। माया जीवन का आधार भी बनती है और विनाश की ओर भी ले जाती है। गुणों में अवगुण और अवगुणों में भी गुण माया के कारण ही रचे बसे हुए हैं। जिसने इस तत्व को समझ लिया वहीं जीवन को दिशा देने योग्य बन पाता है। पुरातन काल में अनेक संत,महात्मा, ऋषि, मुनि हुए जिन्होंने सिद्धियां, शक्तियां प्राप्त कीं, फिर भी साधना के मार्ग से कभी विमुख नहीं हुए। उन्होंने जीवन भर आत्मविकास और उन्नयन के लिए प्रयास किए। जैसे कोई नव साधक करता है। उन्होंने धर्म की निरंतरता को बनाए रखा। इस कारण सदियों बाद भी वे आदरणीय और स्मरणीय हैं। उपलब्धियां हासिल कर लेने के बाद सद्भावनाओं के प्रति उदासीन हो जाने वाले इतिहास के पन्नों में समा गए। सूर्य की प्रतिष्ठा का कारण उसका नित्य प्रति उदित होना और संसार को प्रकाशमान करना है। नदियों के किनारे लोग सभ्यता के आदिकाल से बसते रहे हैं, क्योंकि उनका जल सदा प्रवाहमान होने के कारण स्वच्छ और संतुष्ट करने वाला है। मनुष्य हर पल जीवनदायी वायु ले रहा है और विषाक्त वायु बाहर निकाल रहा है। एक पल के लिए भी ऐसा न होने का अर्थ है जीवन को संकट में डाल देना। मनुष्य सदैव सद्गुण ग्रहण करता रहे और अवगुणों का त्याग करता रहे। गुणों की कोई सीमा नहीं है, जबकि जीवन बहुत छोटा है। गुण और ज्ञान से तन और मन को सदा निर्मल रखना ही जीवन है। भारतीय जीवन-दर्शन और संस्कृति में साधु व संत संगत की उच्च महिमा बताई गई है। अच्छी संगत निरंतर प्रेरणा का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। सदैव उत्तम विचार मन और मस्तिष्क में समाते रहें। आत्मा श्रेष्ठ कर्मों की ओर उन्मुख रहे। मन एक सैनिक की तरह सतर्क रहें।

संपादकीय

न्याय के लिए लम्बा इंतजार कब तक?

अदालतें इंतजार करती रहती हैं कि कब सही तथ्य उनके समक्ष आए और वे अपना फैसला सुनाएं, मगर वे तथ्य जांच अधिकारियों की सुस्ती से कहीं ठहर से जाते हैं। फिर, अदालतों पर मुकदमों का बोझ बढ़ते जाने और उनमें रिक्तियां न भरी जाने की वजह से भी न्याय की रफ्तार थम जाती है। बहुत सारे लोग विचाराधीन कैदी के रूप में अपने गुनाह की तय सजा से कहीं अधिक सजा भुगतने को विवश होते हैं। अदालतों की यह सच्चाई उजागर है। मगर केंद्रीय कर्मचारियों की भर्ती और सेवा से जुड़ी शिकायतों का निपटारा भी जब दस साल से अधिक लटके रह जाते हैं, तो इसे क्या कहा जा सकता है। एक संसदीय समिति ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण यानी कैट से कहा है कि वह दस साल से अधिक समय से लंबित मामलों, वरिष्ठ नागरिकों और पेंशन से जुड़ी शिकायतों का निपटारा शीघ्र करे। गौरतलब है कि अस्सी हजार पांच सौ पैंतालीस मामले कैट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। इनमें तेरह सौ पचास मामले

दस साल से अधिक समय से लटके हुए हैं। करीब पौने चार हजार मामले पेंशन से संबंधित हैं। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण का गठन विशेष अधिनियम के तहत किया गया था, ताकि संघ के प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी सेवा से संबंधित शिकायतों को लेकर अदालतों की खाक न छाननी पड़े। नियम के मुताबिक उनकी शिकायतों का निपटारा छह महीने के भीतर हो जाना चाहिए। यह नियम इसलिए बनाया गया था कि प्रशासनिक अधिकारियों को लंबे समय तक उनके कामकाज से दूर न रखा जा सके और जो दोषी हैं, उनके खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जा सके। इस अधिकरण को भी उच्च न्यायालयों की तरह का अधिकार प्राप्त है। मगर हैरानी की बात है कि यह अधिकरण भी सामान्य अदालतों की तरह ही मामलों को लटकाए रखने लगा। नहीं तो यह समझना मुश्किल है कि प्रशासनिक अधिकारियों से जुड़ी शिकायतों पर निर्णय लेने में इतनी देर क्यों होनी चाहिए। ऐसे मामलों में ज्यादातर विभागीय जांच की जरूरत पड़ती है। जाहिर है, उनमें अधिकतर अनियमितता से जुड़े मामले होंगे। नियम के अनुसार जब तक किसी अधिकारी की अनियमितता से जुड़े मामले का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक उसकी पेंशन आदि सुविधाओं को रोक कर रखा जाता है। मगर जिन लोगों की पेंशन दस साल से लटकी हुई है, उन्हें अपना गुजर-बसर, स्वास्थ्य आदि संबंधी खर्चे किस तरह जुटाने पड़ते होंगे, अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे लोगों के मामले टालते जाने की कोई तुक समझ नहीं आती। दरअसल, सरकारी कामकाज में सुस्ती रिवायत-सी बन गई है। इसके चलते सामान्य कामकाज भी हफ्तों में पूरे हो पाते हैं। जहां तक न्यायाधिकरणों की बात है, अगर उसके कामकाज पर प्रश्नचिह्न न भी लगाएं, तो यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि क्यों अस्सी हजार से अधिक मामले अभी तक लटके हुए हैं। इसकी एक वजह यह भी रही है कि सरकार न्यायाधिकरणों में नियुक्तियों को लेकर वैसे ही हीले-हवाले देती देखी जाती है, जैसे न्यायालयों की नियुक्तियों को लेकर देती रहती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

वन्यजीव संरक्षण

एक समय खासतौर पर बाघों की तेजी से कम होती संख्या को लेकर चिंता जताई जाने लगी थी, लेकिन अब धीरे-धीरे इसमें कुछ सुधार आ रहा है। वहीं हाथियों के सुरक्षित जीवन को लेकर भी अलग से योजनाएं रही हैं। हालांकि आज भी बाघ और हाथियों के संरक्षण का सवाल उतना ही अहम बना हुआ है, क्योंकि ये दोनों पशु कई तरह से निशाने पर रहे हैं। इसके मद्देनजर बाघ और हाथियों के संरक्षण के लिए आवश्यक धन का इंतजाम करने के मकसद से अलग-अलग कोष बनाए गए थे। लेकिन अब इस दिशा में एक अहम बदलाव करते हुए सरकार ने इन दोनों कोषों को साझा बना दिया है। इसके तहत अब राज्यों को इस मामले में साझा वार्षिक योजना भेजी जाएगी। जाहिर है, अब जिन राज्यों में इन दोनों पशुओं के संरक्षण के लिए विशेष गतिविधियां चल रही होंगी, अब उनमें अब कम से कम धन की जरूरत को एक तरह से नए सिरे से संयोजित करना पड़ेगा। हालांकि बाघ और हाथियों के संरक्षण के लिए प्रशासनिक ढांचा चूंकि पुराना ही रहेगा, इसलिए नई व्यवस्था के तहत साझा कोष में मिली राशि के उपयोग में ज्यादा जटिलता नहीं खड़ी होगी। दरअसल, इस फैसले का मकसद यह है कि इसके जरिए प्रभावी एकीकरण और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। सरकार का मानना है कि इससे दोनों पशुओं के संरक्षण के मदों में धन जारी करने की प्रक्रिया आसान हो सकेगी, वक्त की बचत होगी और सबसे अहम कि इस क्रम में दोहराव की प्रक्रिया से बचा जा सकेगा। वन्यजीव संरक्षण के दायरे में आने वाले ये दोनों पशु पारिस्थितिकी के लिए बेहद जरूरी माने जाते रहे हैं। लेकिन मनुष्य और पशु के बीच टकराव के क्रम में एक समय इनके अस्तित्व पर संकट मंडराने लगे थे। यही वजह है कि इनके संरक्षण के लिए विशेष इंतजाम किए गए। गौरतलब है कि भारत में इस साल बाघों के संरक्षण के मामले में पचास साल और हाथियों के संरक्षण के संदर्भ में तीस साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। इतने लंबे वक्त से चल रही योजनाओं की वजह से इन दोनों पशुओं की संख्या और उनकी जीवन-स्थितियों को बेहतर बनाने में मदद मिली है। संरक्षित पशु के रूप में बाघ और हाथियों के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जंगल में कई बार बाघों की देखरेख या निगरानी और उन्हें खोजने के काम में हाथी बेहद उपयोगी साबित होते रहे हैं। इसलिए अगर इस मामले में कोई साझा कार्यक्रम बन रहा है तो इसकी अहमियत समझी जा सकती है। लेकिन हकीकत यह भी है कि एक ओर बाघों के पर्यावास क्षेत्र के आसपास इंसानी आबादी के विस्तार की वजह से जहां मनुष्य और जंगली पशुओं के बीच टकराव और बाघों के मारे जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं, वहीं आए दिन ट्रेन से टकराने या अन्य वजहों से हाथियों की मौत की खबरें भी आती रहती हैं। कई जगहों पर जंगलों के बीच से ट्रेन की पटरियां गुजरती हैं और वहां घेरा बनाने का मसला आधा-अधूरा बना हुआ है। यों मानव बस्तियों के साथ-साथ हाथियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुछ राज्यों में हाथी गलियारे का निर्माण किया गया था लेकिन इनमें कई गलियारे खराब स्थिति में हैं, जिनकी वजह से हाथियों के जीवन पर जोखिम बना रहता है। इसलिए जरूरी है कि वन्यजीवों के रूप में पारिस्थितिकी के लिए अहम इन दोनों पशुओं के संरक्षण के लिए कोई भी नई योजना व्यवहार में इनकी सुरक्षा तय करने में मददगार साबित हो।

महिला जाग्रति संघ जयपुर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया

स्थानीय श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में चल रहे वार्षिक मेले में बुधवार 5 अप्रेल को रात्रि 7.30 बजे महिला जाग्रति संघ जयपुर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई, जिसमें तीर्थंकर नेमिनाथ व नारायण श्री कृष्ण का सशक्त मंचन किया गया। नेमिनाथ और श्री कृष्ण दोनो चचेरे भाई हैं। एक तीर्थंकर पद प्राप्त करने वाले, दूसरे नारायण है। साथ में भावी तीर्थंकर बनने वाले नेमिनाथ किस तरह से शादी के मंडप से वापस जाकर वैराग्य धारण करते है। नाटक के सभी पात्रों ने अपने अभिनय से दर्शको की वाहवाही ली। रात्रि 8 बजे वीणा कैसेट्स जयपुर द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य व लोकगीत कार्यक्रम गोरबन्द की प्रस्तुति में घुमर लोकनृत्य आदि अनेको लोकगीत प्रस्तुति देखकर आये हुये सभी दर्शकों का मनमोह लिया, राजस्थानी परम्पराओं की सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से झलक देखकर बाहर से आये हुये अन्य राज्यो के लोगो ने भी भरपुर आनन्द लिया। श्री महावीर जी 6 अप्रेल स्थानीय श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में चल रहे वार्षिक मेले के 6वें दिवस मुख्य मन्दिर में प्रातः पं. मुकेश शास्त्री द्वारा श्री जी का अभिषेक व शान्तिधारा मन्त्रोच्चारण सहित भक्तिभाव के साथ किया गया। प्रातः 9 बजे श्री वीर संगीत मण्डल जयपुर के सहयोग से चरण चिन्ह छत्री बारहदरी पर स्थित 24 फीट महावीर स्वामी की खड्गासन प्रतिमा व वर्तमान चैबीसी परिसर में भक्ति संध्या के साथ सामूहिक पूजन की गई। दोपहर 12 बजे कटला पच्चिमी पाण्डाल में श्री वीर संगीत मण्डल, जयपुर के सहयोग से श्री वीर प्रभु की सामूहिक पूजन की गई। इस अवसर पर दिगम्बर जैन कार्यकारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मानद् मन्त्री महेन्द्र कुमार पाटनी, संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी, सुभाष जैन, सदस्य पी.के. जैन आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सायंकाल कटला पश्चिमी पांडाल में 7 बजे जिनेन्द्र देव की भक्ति सन्ध्या के साथ सामूहिक आरती की गई। तत्पश्चात कटला पूर्वी पांडाल में शास्त्र प्रवचन किये गये। 7.30 बजे कटला पूर्वी पांडाल में श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति सांगानेर संभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की आयोजित किया जायेगा, तथा रात्रि 8 बजे सांस्कृतिक मंच पर राष्ट्रीय कवि सम्मेलन किया जायेगा।

आज निकाली गई, नाजिम की सवारी

श्री महावीर जी 6 अप्रेल स्थानीय श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी मुख्य मन्दिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक मेले महोत्सव के उपरान्त रथयात्रा से एक दिन पूर्व मेला निरिक्षण करने नाजिम की सवारी निकाली गई। जिससे पूर्व गोद भराई की रस्म अदायगी की गई। मानद् मन्त्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि भगवान महावीर के वार्षिक मेले के अवसर पर गोद भराई की रस्म करीब सैकड़ों वर्ष से चली आ रही है, जिसमें हिण्डौन उपजिला कलेक्टर अधिकारी सुरेश हरसौलिया को

सर्वप्रथम क्षेत्र का प्रबन्धक पूरे सैन्य लवाजमे के साथ राजशाही अंदाज में निमंत्रण स्वीकार करते है जिससे संतुष्ट होकर नाजिम निमंत्रण स्वीकार करते है, जिसके बाद प्रशासनिक लवाजमें के साथ उपजिला कलेक्टर मुख्य मन्दिर पधारते है, सर्वप्रथम भगवान महावीर स्वामी की मूलनायक प्रतिमा जी के दर्शन मंगल आरती व पूजा विधान कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद मुख्य मन्दिर परिसर मे कार्यकारिणी कमेटी के अध्यक्ष नाजिम की गोद भराई की रस्म अदा करते है। इस अवसर पर उपजिला कलेक्टर का नाजिम के रूप में गोदभराई कार्यक्रम किया गया, जिसमें क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, संयुक्त मंत्री सुभाष जैन, उमरावमल संघी, सदस्य पी.के.जैन, एन.के.सेठी, ने नाजिम का माला पहनाकर तिलक लगाकर फल फूल, कपड़े आदि भेंट कर विधिवत रूप से गोद भराई की रस्म अदा की। उपजिला कलेक्टर सुरेश हरसौलिया व अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल द्वारा खुली जीप में मेले का निरिक्षण किया गया। इस अवसर पर जगह-जगह स्थानीय जैन समाज व अन्य समाज के पंच-पटेलो ने उपजिला कलेक्टर का स्वागत व सम्मान किया। इस अवसर पर योगेश टोडरका, प्रदीप ठोलिया, संजय पाण्ड्या, प्रबन्धक नेमीकुमार पाटनी, विकास पाटनी, स्थानीय थानाधिकारी ष्यामसुन्दर, हवलदार मोहरसिंह, साहबसिंह, आदि हजारों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आज निकलेगी भगवान महावीर स्वामी की विशाल रथयात्रा

श्री महावीर जी 6 अप्रेल स्थानीय श्री महावीर जी में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2622वां जन्म कल्याणक महोत्सव में मुख्य आकर्षण का केन्द्र भगवान की ऐतिहासिक रथयात्रा शुक्रवार दोपहर 2 बजे मन्दिर प्रांगण से विशाल रथयात्रा निकलेगी। जो गम्भीर नदी के तट पर जायेगी, जहां भगवान महावीर के पंचामृत कलशाभिषेक होंगे। इस वार्षिक मेला महोत्सव के अन्तिम दिवस नदी तट पर ग्रामीण खेलकूद एवं कुश्ती दंगल के साथ ही मेला का समापन होगा।

हनुमान जन्मोत्सव पर शोभा यात्रा निकली

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। बल बुद्धि के दाता रामजी के प्रिय भक्त हनुमानजी के जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा में महावीर इंटरनेशनल वीर वीरा युवा संस्था परिवार कुचामन जैन स्कूल पलटन गेट पर सभी को शरबत वे ठंडा जल पिलाकर पुष्प वर्षा करते गवनिर्ग काउसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़िया अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल सचिव वीर अजित पहाड़िया कोषाध्यक्ष वीर सुरेशकुमार जैन वीर अशोक अजमेरा वीर अशोक जी गंगवाल वीर समपत बगड़िया वीरा सुनिताजी गंगवाल युवा अध्यक्ष वीर आनन्द सेठी सचिव वीर विकास पाटनी कोषाध्यक्ष वीर संदीप पांड्या कार्तिक गोयल रिषभ राहुल झांझरी शुभम , उत्कर्ष , पारस अप्रित पहाड़िया प्रवीण, प्रियांशु डोसी शुभम काला, जैन स्कूल के प्रधानाध्यपिका व अध्यापकों ने अपनी सेवाएं देकर सेवा कार्य किया।

आत्मा में लीन होने पर बाहरी सुख फीका लगता है : आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

ग्वालियर। द्रव्य परिवर्तन यानी संसार में जितना सोना चांदी है, हीरा पन्ना हैं, माणिक मोती है, भोजन है ये सब पदार्थ भोगकर छोड़ चुके हैं । लेकिन संतुष्टि नहीं मिली । तृष्णा और बढ़ती जा रही है । भगवान महावीर स्वामी ने अपने केवलज्ञान में देखकर हमें बताया है । इसके पश्चात क्षेत्र परिवर्तन किया हमने । सुमेरु पर्वत के नीचे आठ मध्य स्थान उन पर जन्म लेना शुरू किया तो आकाश के समस्त प्रदेशों में जन्म लिया । आकाश जो खाली नजर आ रहा है, इसमें पंक्तिबद्ध हैं, इसके प्रदेश प्रत्येक क्रम से हैं । दिखने में हमें एक साथ दिखता है । विश्व में कोई स्थान ऐसा नहीं हैं जहां हमनें जन्म न लिया हो, जहां हम न गए हों । आज हम देश विदेश घूमने जाते हैं । क्या देखने जा रहे हो ? जहां जा रहे हो, वहां अनेकोंवार जन्म ले चुके हो । लेकिन आकाश प्रदेशों में घूमने की तृष्णा खत्म नहीं हुई । कोई क्षेत्र नया नहीं हैं, कुछ भी अनदेखा नहीं हैं, सब कुछ देख चुके हैं । बस एक चीज नहीं देखी, उसका नाम है स्वयं की आत्मा। उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने चम्पाबाग जैन धर्मशाला ग्वालियर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। स्वस्तिधाम प्रणेत्री गुरुमां ने भक्तों को उद्बोधन देते हुए कहाकि राजमहल हो या ताजमहल या बर्फ के पहाड़ हों, जो सब जगह एकसे होते हैं । क्या देखने जा रहे हो, पानी या हरियाली या सीमेंट पत्थर से बनी इमारतें । सबकुछ एक जैसा है । बस उसे अलग अलग आकार और डिजाइन में बना दिया गया है । है तो धरती से मिलने वाली चीज । लोहा, सीमेंट, रेत, कंक्रीट से इमारत बनती है, वही इमारतें सब जगह मिलती हैं । उसमें जो कलर किये हैं वह भी इसी धरती से मिलते हैं । प्रकाश या रोशनी के लिए जो लाइट लगी है वह भी इसी पानी, अग्नि से बनी ऊर्जा

है । बस इंसान ने उसे सेटिंग से बना दिया है और लोगों ने उड़े बंडर मानके देखना शुरू कर दिया है। इसी आकर्षण से संसार का बाजार चल रहा है । यदि इस आकर्षण को हटा दिया जाए तो बाजार खत्म हो जाएगा । तुम सामान के रंग, रूप, डिजाइन, स्वाद आदि को देखकर उसकी तरफ आकर्षित होकर उसे खरीदते हो । लेकिन जब अपनी आत्मा से जुड़ोगे, आत्मा स्वरूप निहारोगे तो वाहर के रूप की तरफ का आकर्षण खत्म हो जाएगा । जब आत्मा में सुख, आत्मा से लेने लगोगे तो वाहर की बस्तुएँ नीरस और फीकी लगने लगेंगी ।

आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में श्री जिनसहस्त्रनाम महार्चना का भव्य कार्यक्रम हुआ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री जिनसहस्त्रनाम महार्चना का भव्य कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत अभिषेक शांतिधारा पूर्वक हुई। इस विधान में लगभग 250 श्रावकों ने भक्ति की। पूज्य गुरु मां ने भक्ति का फल बताते हुए कहा प्रभु चरणों में समर्पित होने से मिलता है भक्ति का फल बताते हुए कहा कि क्षमता के साथ ममता का विसर्जन करना समर्पण है। समर्पण का दूसरा नाम बलिदान है अपने मन वचन काया रूपी बाल का दान का अर्थात परमात्मा के चरणों में समर्पित हो

जाना उसका नाम समर्पण है। जिस प्रकार बीज मिट्टी में समर्पित होता है तो वृक्ष के रूप में फलित होता है उसी प्रकार प्रभु चरणों में समर्पित होने से स्वर्ग व मोक्ष फल की प्राप्ति होती हैं एक पत्थर अपना जीवन शिल्पी को समर्पित देता तो वह मूर्ति बन जाता है वैसे ही हम अपने जीवन को देव शास्त्र गुरु के चरणों में सौंप देंगे तो हमारा जीवन भी परमात्मा बन जायेगा। माताजी ने कहा कि हमारा समर्पण हनुमान के समान होना चाहिये हनुमान राम को अपना बनाने के लिए भक्ति के रंग में रंग गये थे । जिस प्रकार सोना पिघलता है तो वह आभूषण बन जाता है उसी प्रकार यादी इंसान अपने अहंकार को छोड़ दें और मन को कोमल करने परमात्मा बन जायेगा समर्पण के साथ भक्ति करो तो फल नियम से मिलेगा अहंकार की कार से मोक्ष रूपी मंजिल नहीं मिलती विनय रूपी सीडी से मोक्ष रूपी मंजिल पर पहुंचों।

सामाजिक एकता आज की आवश्यकता है-डॉ. डी. के. जैन

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। समाज सेवी संस्था पार्श्व जैन मिलन द्वारा राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर महामासिक मिलन का आयोजन पार्श्वनाथ मंदिर धर्मशाला मै शहर की जैन मिलन सेन्ट्रल ,महिला जैन मिलन एवं जैन मिलन के तत्वाधान मे शहर के सुप्रसिद्ध डॉ डी के जैन के मुख्य आतिथ्य में किया गया इसमें विश्व शांति हेतू णमोकार मंत्र का पाठ , भक्तांबर जी का पाठ किया गया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ.डी के. जैन ने कहा की समाज में सभी को मिलजुल कर रहना होगा एकता में ही शक्ति है, उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम होते रहना चाहिए इस आयोजन के लिए पार्श्व जैन मिलन को बधाई। पार्श्वनाथ मंदिर से जुडे हुऐ सभी समाज सेविओ का सम्मान किया गया जिसमें पार्श्वनाथ मंदिर कमेटी के संयोजक डॉ डी. के. जैन , दिगम्बर जैन पंचायत के उपाध्यक्ष महेन्द्र कडेसरा ,मंत्री भानू चौधरी, पाठशाला की निर्देशिका श्रीमती किरण जैन पत्नि डॉ डी के जैन को उत्क्रष्ट सेवा के लिये , रतन लाल तरावली वालो को मंदिर के निर्माण मै महत्वपूर्ण योगदान के लिये, सुभाष जैन कैंची राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,आनंद गाँधी राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री , क्षेत्रीय संयोजक विनोद भारिल्य व सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित किया गया।

महासमिति द्वारा अहिंसा व हाथ करघा को बढ़ावा देने के लिए सेवा कार्य किया

बाराँ. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महासमिति द्वारा अहिंसा व हाथ करघा को बढावा देने हेतु महावीर जयंती पर किया गया। सेवा कार्य। अध्यक्ष चन्द्र कला सेठी के अनुसार श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग बाराँ द्वारा आचार्य श्री विद्या सागर जी द्वारा प्रोत्साहित अहिंसक हाथ करघा उद्योग को प्रचारित करने हेतु किया। एक समाज स्तरीय विशाल सेवा कार्य की पहल की मंत्री सरला जैन ने बताया कि समाज के करीब 130 घरों में हाथ करघा से निर्मित पानी छानने हेतु उपहार स्वरूप 1 मीटर कपड़ा वितरित किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललिता टोंग्या ने व समाज बंधुओं ने इस कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस कार्यक्रम का शुभ आरम्भ महावीर जयंती के विशेष अवसर पर समाज के अध्यक्ष व मंत्री अशोक सेठी व वीरेंद्र बड़जात्या एवं पुरुष महासमिति के अध्यक्ष, मंत्री प्रकाश टोंग्या व शिखर चन्द जैन को भेंट स्वरूप देकर किया गया। कोषाध्यक्ष चन्द्र कला पाटनी व युवा प्रकोष्ठ मंत्री रानी नोपडा ने बताया कि समिति के सभी सदस्यों ने इस कार्य मे उत्साह से आर्थिक सहयोग किया। संस्थापक अध्यक्ष कांता कासलीवाल पूर्व अध्यक्ष सन्तोष कासलीवाल ,मैना बड़जात्या, सुनीता पोरवाल,विद्या गोधा, संगीता जैन, शकुंतला सोनी लीना जैन, रेखा कासलीवाल, उषा बड़जात्या,मंजू सोनी, सोनिया जैन ,सरिता बड़जात्या, चन्द्रेश बड़जात्या,ललिता शाह,पूर्णिमा सेठी,रूपकुमारी जैन, नीतू जैन, श्वेता गंगवाल एवम अन्य सभी का पूर्ण सहयोग रहा।

राष्ट्रीय पक्षी संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्यः प्रकाश राजपुरोहित

राष्ट्रीय पक्षी संरक्षण हेतु विशेष पोस्टर का विमोचन। राष्ट्रीय पक्षी संबंधित अपराध की सूचना वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो को दें : सक्सेना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जिला कलेक्ट्रेट सभागार मे आयोजित जिला स्तरीय मोर संरक्षण समिति की बैठक मे वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत वर्ल्ड संगठन द्वारा राष्ट्रीय पक्षी मोर के संरक्षण हेतु चलाई जा रही राष्ट्रीय पक्षी संरक्षण परियोजना के तहत जनजागरूकता फैलाने तथा राष्ट्रीय पक्षी संरक्षण कार्य मे आमजन को सक्रिय रूप से जोडने हेतु विशेष पोस्टर का विमोचन जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित, वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि मनीष सक्सेना, अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश कुमार शर्मा, उपवन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, जिला स्तरीय मोर संरक्षण समिति कपिल चन्द्रावल तथा उपवन संरक्षक मनफूल विश्नोई ने किया। इस अवसर पर जिला कलेक्ट्र प्रकाश राजपुरोहित ने राष्ट्रीय पक्षी मोर के संरक्षण को राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक का पुनीत कर्तव्य बतलाया, उन्होंने संरक्षण कार्य मे ग्रामीणो की अहम भूमिका बतलाते हुए ग्रामीणो को राष्ट्रीय पक्षी संरक्षण के कार्य मे जोडने पर बल दिया। जिला कलेक्ट्र प्रकाश राजपुरोहित ने वर्ल्ड संगठन द्वारा राष्ट्रीय पक्षी मोर के संरक्षण हेतु विगत दो दशको से चलाई जा रही राष्ट्रीय पक्षी संरक्षण परियोजना की सराहना करते हुए मोर बाहुल्य क्षेत्रो मे जनजागरूकता बढाने पर जोर दिया। वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि मनीष सक्सेना ने बताया कि राज्य में राष्ट्रीय पक्षी की सर्वाधिक संख्या है तथा यह राजस्थान के लिए गर्व की बात है परन्तु कुछ समय से राष्ट्रीय पक्षी मोर के पंखो एंव मांस के लिए बढते शिकार, प्राकृतिक आवासो की कमी तथा कृषि मे किटनाशको के बढते प्रयोग से उनकी संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। जिसे रोकने के लिए वर्ल्ड संगठन द्वारा राष्ट्रीय पक्षी संरक्षण परियोजना चलाई जा रही है। वर्ल्ड संगठन की उपनिदेशक एवं समिति की सदस्य नम्रता ने बताया कि इस परियोजना के तहत आमजन को जोड़ने के लिए जिले के विभिन्न गांवों एवं कस्बों में जागरूकता शिविर आयोजित किये जा रहे हैं जिनमें राष्ट्रीय पक्षी मोर के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है। परियोजना के तहत राष्ट्रीय पक्षी संरक्षण समूह बनाए जा रहे हैं। इस समूह से जुड़े प्रत्येक सदस्य को पहचान पत्र जारी किया जायेगा व समूह के सदस्य राष्ट्रीय पक्षी को बचाने का संदेश जन-जन तक पहुंचायेंगे। मनीष सक्सेना ने बताया कि समिति की बैठक मे विगत दो वर्षो मे मोर के शिकार सम्बंधी प्रकरणो, मोर पंखो के अवैध व्यापार से जुडे व्यक्तियो की पहचान, मोरो की गणना, रेस्क्यू ऑपरेशन तथा जिले मे मोर संरक्षण के लिए प्रभावी उपाय एवं जन चेतना बढ़ाने हेतु चर्चा की गई।

नो दिनों तक आंयबिल ओली करने वाले तपस्वियों का सम्मान

आंयबिल तप करन से अशुम कर्म नष्ट होते है प्रवर्तक : सुकन मुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया।

सोजत सिटी। आयंबिल तप की आराधना करने से अशुभ कर्म नष्ट होते है। श्री मरूधर केसरी गुरूसेवा समिति मे मिश्री रूप सुकन दरबार मे संत शिरोमणी प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने गुरूवार को आयंबिल ओली करने वाले तपस्वियों के सम्मान समारोह मे आयंबिल अराधको को आशीर्वाद प्रदान करते हुये कहा कि साधना वो मार्ग है जिससे करने से आत्म कल्याण तो होता ही है जीवन मे आने वाले सारे संकट टल ज्याते है। जिस तरह सोना अग्नि मे तपने के बाद कुंदन बनता है उसी तरह तपस्या करने से शरीर कुंदन और आत्मा पवित्र बनकर सर्वश्रेष्ठ बन जाती है। इस दौरान उपप्रवर्तक अमृत मुनि,युवाप्रणेता महेश मुनि,पंडित रत्न रितेश मुनि ,अखिलेश मुनि,डॉक्टर वरूण मुनि तथा साध्वी डॉक्टर सुशील, उपप्रवर्तिनी मैनाकंवर, महासती इन्दुप्रभा,डॉक्टर चेतना,विदुषी डॉ दर्शन प्रभा,साध्वी श्रध्दा,डॉ समीक्षा प्रभा आदि सभी संतो और साध्वीयो ने कहा कि आत्मा अजर अमर तब ही बन सकती है जब व्यक्ति तपस्या के साथ राग द्वेष मोह माया और कसायो का त्याग करके साधना आराधना मे संलग्न होकर तप करेगा तभी मानव जीवन को सफल बनाकर वह इस आत्मा का संसार से उध्दार करवा सकता है। आयंबिल ओली मे नो दिनो तक लगातार महामंत्र नवकार का जाप हुआ उस कलश की केवलचंद प्रकाश चन्द धोका ने बोली लगाकर महामंत्र के कलश का लाभ प्राप्त किया। गुरूसेवासमिती के अध्यक्ष नवरतनमल सांखला, विकास धोका,ललित पंगारिया, राजेश कोरिमूथा,सुरेश बलाई, बाबूलाल बोहरा,पुस्तराज मुणोत, पदमचन्द, कस्तूर चन्द, शांति लाल सिध्दराज श्रीपाल धोका, नितेश मेहता, गौतम चन्द लोढ़ा महेन्द्र मेहता आदि पदाधिकारियों और नगर पालिका चैयरमैन प्रतिनिधि जुगलकिशोर निकुम और लाभार्थी धोका परिवार के सदस्यों ने आंयबिल तपस्वियों के तप की अनुमोदना करते हुये अभिनन्दन किया ।

किसान हूँ, किसान बनूँगा...

शाबाश इंडिया

एक गांव में एक किसान रहता था जिसका नाम दौलतराम था। उसके पास दौलत के नाम पर कहने को तो कुछ नहीं था , पर अपने पुत्रों को दौलत के रूप में मानकर प्रसन्न रहता था। उसकी पत्नी डोली थी। वह कहा करती थी कि अपने तो ऐसे हाल है -आंख से अंधे नाम नयनसुख। तब दौलत कहता - ''नहीं डोली, हमारे पास दौलत के रूप में बहुत कुछ है। हमारे पास दो पुत्र हैं -धर्मा और कर्मा। यह हमारी दौलत है। इन्हें ही संस्कार दें। '' जिससे हमारा वैभव चमके ' दोनों अपने पुत्रों को पढ़ने भी बराबर भेजते थे। साथ ही किसान होने के नाते अपने बेटों को अपने साथ काम भी करवाते थे। उसके पास थोड़ी खेती भी थी। उस खेती से ही अपना गुजारा करते। एक गाय थी। दो बैल थे। उन पशुओं की भी वह पुत्रों की तरह परवरिश करता थे। बच्चों को भी उन पर दया करना सिखाया था। उन्होंने बच्चों से कहा था कि तुम इन पशुओं को अपने परिवार का हिस्सा समझना। वह पशुओं को कभी मारता नहीं था। वह समय पर चारा -पानी पूरा देता था। बच्चों को भी इस काम में शिक्षित किया था। उसके दोनों बच्चे पढ़ने में होशियार थे। वे दोनों जुड़वा थे। प्रतिवर्ष कक्षा में प्रथम स्थान लाते थे। उनकी कक्षा बारह की विदाई समारोह पर उनकी प्रतिभा को देखकर गुरुजी ने उनसे पूछा कि तुम आगे जाकर क्या बनना पसंद करोगे? उन्होंने कहा - ''हम तो बने बनाए किसान हैं। हम किसान हैं और हमें किसान ही बनना है।'' तब गुरुजी ने उनकी बहुत तारीफ की तथा बच्चों से उनकी प्रशंसा में ताली बजवाई। गुरुजी ने सब बच्चों से कहा कि जिस दिन भारत में किसान समाप्त हो जायेंगे , उसी दिन समझ लेना चाहिये कि भारत का अस्तित्व खतरे में है। भारत कृषि प्रधान देश है। किसान के बेटे को किसान बनने का गर्व होना चाहिए। जो हमारे इन धर्मा - कर्मा दोनों विद्यार्थियों में हैं। देखों बच्चों ! ये सरकारी नौकरी तलाश न कर स्वयं किसान बनना चाहते हैं। यह बड़ी प्रशंसनीय बात है। सच कहता हूँ - इनके माता-पिता भी धन्य हैं , जो इन्हें अच्छे संस्कार दिए हैं। ये बालक पूर्णतः अनुशासन में रहें, पढ़ने में भी अव्वल रहें और स्कूल की हर गतिविधि में अग्र रहें। तुम्हें इनसे अवश्य कुछ सीखना चाहिए ।

कहानीकार- डॉ.महावीर प्रसाद जैन शास्त्री 'टोकर'
प्रधानाचार्य राउमावि आसना ,मावली उदयपुर
45 -नेमीनाथ जैन कॉलोनी हिरण मगरी सेक्टर 3
उदयपुर (राज .)

आज अधिक प्रासंगिक हैं तीर्थंकर महावीर की शिक्षाएं

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र संख्या-13 द्वारा महामासिक मिलन समारोह का आयोजन। विद्वानों का किया गया सम्मान, पाठशाला के बच्चों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

ललितपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र संख्या-13 द्वारा श्री आदिनाथ दि.जैन मंदिर सिविल लाइन ललितपुर में क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर महेन्द्र जैन की अध्यक्षता में महामासिक मिलन का आयोजन किया गया। जिसमें भगवान महावीर के सिद्धांतों की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिता बिषय पर संगोष्ठी में विद्वानों एवं अतिथियों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में णमोकार मंत्र का पाठ,मिलन गीत, छोटे छोटे बच्चों द्वारा नृत्य , विद्वानों का सम्मान एवं बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। सर्वप्रथम मंचासीन सभी विद्वानों एवं पंचायत समिति के पदाधिकारियों ने भगवान महावीर स्वामी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित किया तथा वीरांगना मोहनी जैन पत्नी वीर सतीश जैन एवं श्रीमती मीना जैन इमलया ने मंगलाचरण किया। आदिनाथ चैत्यालय पाठशाला एवं बाहुबली नगर पाठशाला की बच्चियों ने जैन भजन पर सुन्दर नृत्य की प्रस्तुति की, जिसकी सभी ने सराहना की। इस मौके पर संगोष्ठी में ब्र. मनोज भैया ने कहा कि भगवान महावीर की वाणी को गहराई से समझने का प्रयास करें तो इस युग का प्रत्येक प्राणी सुख एवं शांति से जी सकता है। डॉ. सुनील जैन संचय ने संगोष्ठी में कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाएं पहले से अधिक प्रासंगिक हैं। महावीर वाणी के तीन आधारभूत सिद्धांत अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह आज की भागमभाग और तनाव पूर्ण जीवन शैली में शांति की राह दिखाते हैं, सुकून देते हैं।

तपस्या शिरोमणि अंतर्मना प्रसन्न सागर महाराज ने संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर महाराज की चरण वंदना की

नरेंद्र अजमेरा/पियुष कासलीवाल. शाबाश इंडिया

औरंगाबाद। सदी के महान तपस्वी साधक अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर गुरुदेव ससंघ संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर गुरुदेव के चरण वंदन करने अमरकंटक पहुँचे। अंतर्मना गुरुभक्त चन्द्र प्रकाश बैद ने बताया की प्रातः स्मरणीय संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर महाराज के दर्शन वंदन करने आज प्रातकाल अंतर्मना गुरुदेव ससंघ शाश्वत तीर्थराज की पावन धरा से सिंह निष्क्रिड़ित व्रत की अद्भुत साधना सम्पन्न करने के बाद करीब 1000 किलोमीटर का विहार करके अमरकंटक पहुचे गुरुदेव के साथ सेंकड़ो गुरु भक्तों को भी आचार्य श्री के दर्शन का सौभाग्य मिला अंतर्मना गुरुदेव आचार्य श्री के सानिध्य में करीब 5 घंटे रहे। अंतर्मना गुरुदेव का 35वॉ दीक्षा मनाया अंतर्मना गुरुदेव के 35 वें दीक्षा दिवस को गुरु भक्तों ने हर्षउल्लास से मनाया इस अवसर पर गुरु पूजन का आयोजन चिकती पानी ग्राम में हुआ। गुरुदेव की पूजन के पूर्व सभी पूवार्चार्यो के अर्ध समर्पित किये गुरु पूजन में देश भर से आये गुरु भक्तों के साथ किशनगढ़ के बैद परिवार को भी अर्ध समर्पित करने का एवं गुरुदेव के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य मिला।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com